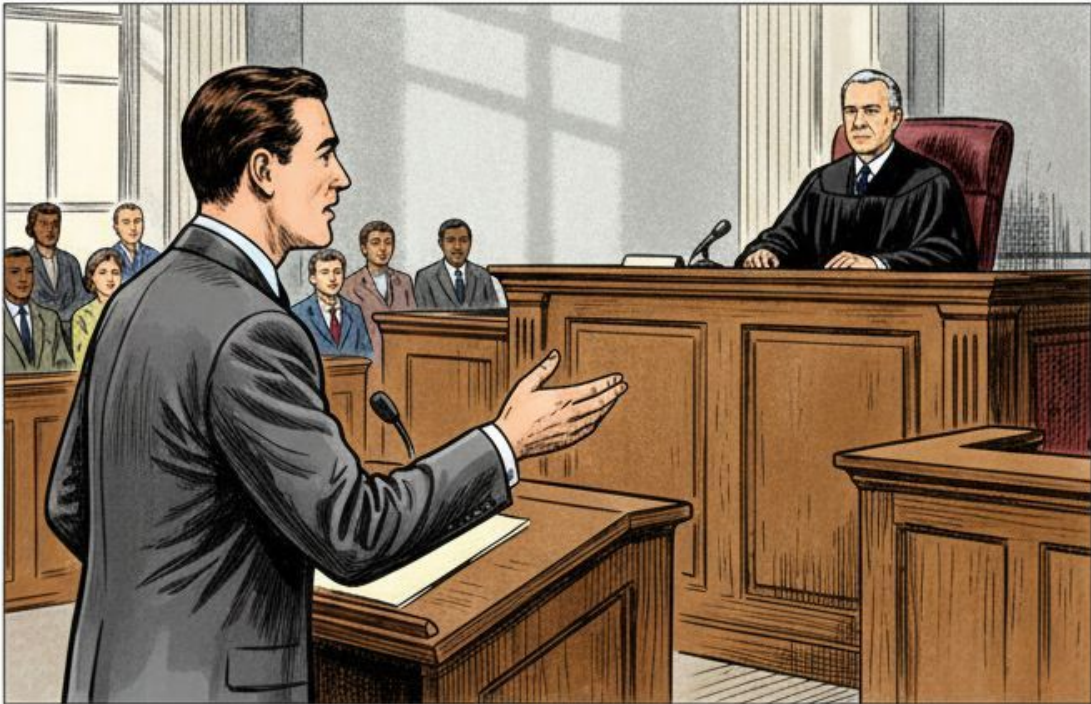


१० सबसे खतरनाक तार्किक भ्रांतियां

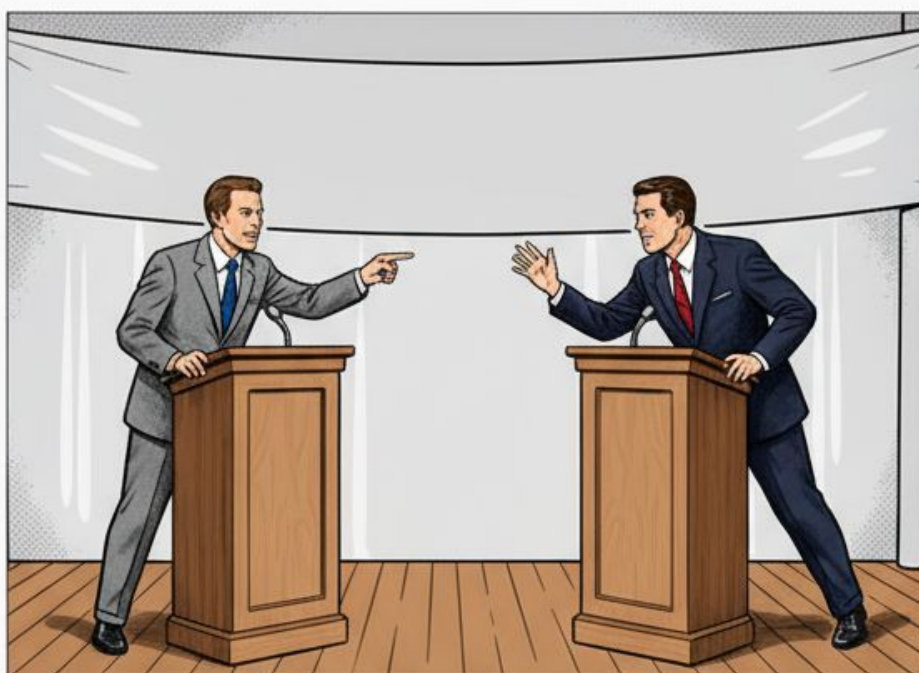
तार्किक भ्रांतियां (Logical Fallacies) तर्क करने में वो गलतियां हैं
जो किसी तर्क (argument) की गुणवत्ता को नष्ट कर देती हैं।



(हर किसी को इसे पढ़ना चाहिए)

व्यक्तिगत आक्रमण

व्यक्ति के चरित्र पर प्रहार करना



यह सबसे पुरानी चालों में से एक है: संदेशवाहक को बदनाम करने का प्रयास करें ताकि उनको संदेश का सामना न करना पड़े। राजनीतिक चर्चाओं में यह एक बहुत ही सामान्य 'रणनीति' है।
"यह व्यक्ति ऐसा है इसलिए उसकी बात गलत है।"

काग पुतला तर्क

हराने के लिए तोड़-मरोड़ना

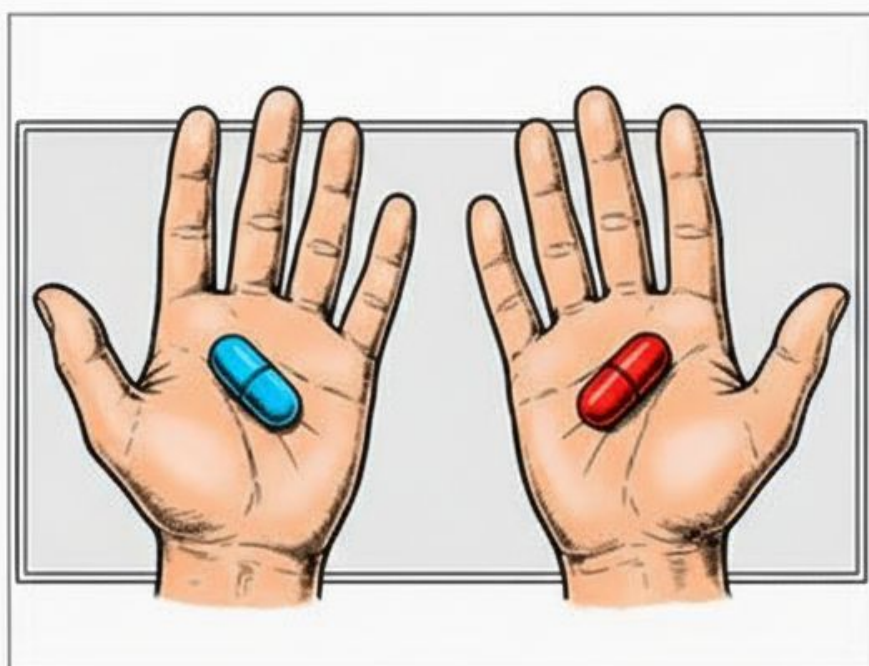


व्यक्ति आपके तर्क को एक कमजोर संस्करण में बदल देता है ताकि वे इसे आसानी से गिरा सकें। आपकी वास्तविक बात से उलझने के बजाय, वे आपके तर्क का एक कमजोर रूप गढ़ते हैं और गर्व से उसे हरा देते हैं।

यह उन लोगों की एक पुरानी चाल है जो समझने की तुलना में जीतने में अधिक रुचि रखते हैं।

झूठी दुविधा

आपके पास केवल दो विकल्प हैं



वे दो चरम विकल्प ऐसे प्रस्तुत करते हैं जैसे कि केवल वही संभावनाएं हैं। यह इस सच्चाई का सामना करने से बचने के लिए किया गया सरलीकरण है कि वास्तविकता लगभग हमेशा 'बहु-रंगी' (मिश्रित) होती है। यह राजनीतिक और सोशल मीडिया में खूब पनपता है।

सत्ता/विशेषज्ञ का हवाला

मेरा विश्वास करो, उन्होंने ऐसा कहा है



व्यक्ति बिना किसी सहायक सबूत के, सबूत के रूप में किसी विशेषज्ञ की राय का उपयोग करता है। विशेषज्ञ आपको जानकारी दे सकते हैं, लेकिन उन्हें आमतौर पर आपकी सोच की जगह नहीं लेनी चाहिए। जब तर्क नष्ट हो जाता है तो लोग अक्सर डिग्रियों/पद/प्राचीन ग्रंथों के पीछे छिपते हैं।

भेड़चाल

सब लोग यही कर रहे हैं



यह मान लेना कि कुछ सच है सिर्फ इसलिए क्योंकि हर कोई उस पर विश्वास करता है। लोकप्रियता प्रमाण नहीं है। भीड़ पहले भी कई बार पूरे विश्वास के साथ गलत साबित हुई है। हो सकता है कि खाई में गिरने से ठीक पहले भीड़ और ज्यादा शोर मचा रही हो।

डूबी हुई पूंजी का भ्रम

अब छोड़ नहीं सकते



व्यक्ति उसी रास्ते पर चलते रहने का तर्क देता है सिर्फ इसलिए क्योंकि अब तक उसमें बहुत कुछ निवेश किया जा चुका है। सच तो यह है कि पिछले प्रयासों का इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि आगे बढ़ना समझदारी है या नहीं। जब चीजें समझ में आना बंद हो जाती हैं तो समझदार लोग नुकसान सहकर भी रुक जाते हैं। मूर्ख लोग नुकसान स्वीकार करने से बचने के लिए अपनी गलती को दोगुना कर देते हैं।

और तुम भी

तुम भी दोषी हो



आलोचना को संबोधित करने के बजाय, व्यक्ति जवाबदेही से बचने के लिए आपकी कमियों को उजागर करता है। कथित व्यक्तिगत दोष सच्चाई को अमान्य नहीं करता है।

(चित्र में संवाद: 'तुम नैतिक रूप से सही नहीं हो सकते क्योंकि तुम धूम्रपान करते हो' -> 'लेकिन..')

ध्यान भटकाना

अरे, उधर देखो!



शिकारी कुत्तों के प्रशिक्षक अक्सर कुत्तों का ध्यान भटकाने के लिए 'किप्पर्ड हेरिंग' (मछली) की गंध का उपयोग करते थे ताकि यह देख सकें कि कुत्ते सही रास्ते पर बने रहते हैं या नहीं। रेड हेरिंग एक ऐसा भटकाव है जो प्रासंगिक होने का दिखावा करता है। कोई व्यक्ति मुख्य मुद्दे को संबोधित करने से बचने के लिए विषय को किसी और दिशा में मोड़ देता है। यह गुमराह करने की एक कला है।

शीघ्र सामान्यीकरण

छोटा नमूना, बड़ा दावा



कोई व्यक्ति बहुत सीमित सबूतों से एक व्यापक निष्कर्ष निकाल लेता है। किस्से सत्य नहीं होते। एक मामला पूरी वास्तविकता नहीं दिखाता।
इंसानों को शॉर्टकट पसंद हैं, लेकिन सही तर्क के लिए बड़े नमूने (sample size) की आवश्यकता होती है।

भ्रांति की भ्रांति

बुरा तर्क $\neq$ बुरा विचार



व्यक्ति यह मान लेता है कि कोई दावा सिर्फ इसलिए गलत है क्योंकि उसे सिद्ध करने के लिए गलत तर्क दिया गया था। गलत तर्क का अर्थ यह नहीं है कि विचार अपने आप गलत है, बस वह साबित नहीं हुआ है। एक कमजोर पक्षधर को एक गलत विचार के साथ भ्रमित न करें।

अगली बार जब आप किसी बहस में फंसें, तो इन तार्किक भ्रान्तियों (logical fallacies) को याद रखें।

इनका उपयोग उन लोगों के बीच अंतर करने के लिए करें जो ईमानदारी से बात कर रहे हैं और जो सिर्फ आपको कीचड़ में घसीटना चाहते हैं।

मेरा सुझाव है कि आप इस लेख को ज़रूरत पड़ने पर दोबारा देखें। यह आपको आधुनिक युग के लिए अच्छी तरह से तैयार करेगा।

Source : <https://x.com/SahilBloom/status/1998753332677193729>